बिहार विधान परिषद्

188वां सत्र

अल्पसूचित प्रश्न एवं उत्तर

वर्ग – 1

सोमवार, तिथि **21 फाल्गुन, 1939 (श.)** / **12 मार्च, 2018 ई.**

प्रश्नों की कुल संख्या – 07

1.	कृषि विभाग	-	-	01
2.	ग्रामीण विकास विभाग	-	-	01
3.	पथ निर्माण विभाग	-	-	01
4.	ग्रामीण कार्य विभाग	-	-	04
			कुल योग –	07

दोषी पर कार्रवाई

अ-28. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि विभाग द्वारा 4391 कृषि समन्वयकों की बहाली तीन वर्ष बाद राज्य के सभी जिलों में कर दी गई है, लेकिन बिहार कर्मचारी चयन आयोग ने इन चयनित अभ्यर्थियों का न मेरिट, न रैंक और न कोटि ही दी थी;

(ख) क्या यह सही है कि इस बहाली में महिलाओं के लिए 131 पद आरक्षित थे, लेकिन सिर्फ 35 महिलाओं को महिला आरक्षण वर्ग में रखा गया और बाकी 96 पद रिक्त छोड़ दिए गए तथा 89 महिला अभ्यर्थियों को पिछड़े वर्ग की सीट पर जिला आवंटित कर दिया गया, वहीं सामान्य श्रेणी व पिछड़ी श्रेणी (वर्ग) की महिलाओं की आरक्षित सीट रिक्त रखकर 93 पिछड़ा वर्ग अभ्यर्थियों को जिलावार आवंटन से वंचित कर दिया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इस बहाली में हुई अनियमितता की जांच कराने एवं दोषी पदाधिकारियों पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

रोजगार का सृजन

76. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत बेरोजगार शिक्षित युवाओं को ट्रेनिंग दी जा रही है, परन्तु वे ट्रेनिंग के बाद भी बेराजगार हैं तथा बेरोजगार प्रशिक्षित युवाओं को कोई नौकरी तक नहीं मिल पा रही है;

(ख) क्या यह सही है कि मौजूदा आंकड़ों के अनुसार इस योजना से जुड़ने वाले 40 प्रतिशत लोगों को ही जॉब मिल पाता है, जो सरकार के लिए लक्ष्य से काफी पीछे है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार युवाओं को रोजगार मुहैया कराने हेतु इन नतीजों के आधार पर स्किल डेवलपमेंट पर आधारित नई योजनाओं पर प्रशिक्षित युवाओं को जोड़ने, रोजगार देने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

अ- दिनांक 05 मार्च, 2018 से स्थगित।

उत्तर : (क) अस्वीकारात्मक है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत केन्द्र सम्पोषित राज्य योजना के अधीन वित्तीय वर्ष 2017-18 के दिसम्बर, 2017 में एक बैच तथा जनवरी, 2018 में दो बैच का प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया है, जहां अभी प्रशिक्षण पूर्ण नहीं हुआ है। PMKVY-1 के तहत राज्य सरकार के द्वारा कोई प्रशिक्षण नहीं चलाया गया है तथा यह योजना सिर्फ भारत सरकार के द्वारा संचालित थी।

(ख) ऊपर के खण्ड में स्थिति स्पष्ट कर दी गयी है।

(ग) ऊपर के खण्ड में स्थिति स्पष्ट कर दी गयी है।

पुल का निर्माण

77. **श्री संजीव कुमार सिंह** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि खग़डिया जिले के महेश खूंट से सहरसा, मधेपुरा एवं सुपौल जाने वाले पथ में काशी नदी पर निर्माणाधीन डुमरी पुल का अधिकांश हिस्सा अभी तक तैयार नहीं हो सका है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार इसे अत्यंत आवश्यक श्रेणी में रखते हुए पुल को शीघ्रातिशीघ्र कब तक चालू कराना चाहती है, यदि हां तो समय-सीमा क्या होगी?

सड़क का निर्माण

78. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत तुरकौलिया प्रखंड के सेमरा टोला में अतिपिछड़ा वर्ग के लगभग 25 परिवार हैं, जिनको जगेश्वर पाण्डेय के घर से उ. मध्य विद्यालय सेमरा टोला (उर्दू) तक रास्ता नहीं है;

(ख) क्या यह सही है कि तुरकौलिया परशुरामपुर के सेमरा टोला के उक्त परिवारों के आवागमन हेतु दिनांक 14.12.2017 को प्रधान सचिव ग्रामीण कार्य विभाग के आदेश के बावजूद समस्या का निदान नहीं हो सका है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार अतिपिछड़ों को आवागमन का स्थायी निदान कबतक कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

सड़क निर्माण

79. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिला अन्तर्गत संपतचक प्रखंड के ग्राम कामताचक में शेमफोर्ड स्कूल के सामने पश्चिम की तरफ जाने वाली सड़क अत्यंत जर्जर है;

(ख) क्या यह सही है कि खंड 'क' में वर्णित सड़क एवं नाला के निर्माण के लिए कई बार स्थानीय नागरिकों द्वारा प्रखंड विकास पदाधिकारी, संपतचक से अनुरोध किया गया है किन्तु आज तक उक्त सड़क का निर्माण नहीं कराया जा रहा है;

(ग) क्या यह सही है कि प्रखंड विकास पदाधिकारी, संपतचक की लापरवाही के कारण उक्त सड़क का निर्माण कार्य नहीं हो पा रहा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार खंड 'क' में वर्णित सड़क का निर्माण कबतक कराना चाहती है?

सड़क निर्माण

80. **श्री नीरज कुमार** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि नवादा जिलान्तर्गत रोड प्रखंड में कादिरगंज कौआकोल पथ में रोड से सिउर तक सड़के जर्जर अवस्था में है जिसकी लम्बाई 13 किलोमीटर है;

(ख) क्या यह सही है कि यह स्थानीय निवासियों की एकमात्र सड़क है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त सड़क का निर्माण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

पथ की मरम्मती

81. **श्री दिनेश प्रसाद सिंह** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मुजफ्फरपुर जिला के पारू प्रखंड अंतर्गत जफरपुर से ग्यास भाया खुटाही हाई स्कूल पथ का निर्माण एवं मरम्मती कार्य वर्ष 2001 एवं 2002 में हुआ था;

(ख) क्या यह सही है कि खंड 'क' में वर्णित पथ की पुन: मरम्मती नहीं किये जाने के कारण जर्जर स्थिति में है, जिसके चलते आये दिन टेम्पू एंव अन्य गाड़ियां दुर्घटनाग्रस्त हो जाती हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उपर्युक्त वर्णित पथ की मरम्मती एवं जीर्णोद्धार कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

सुनील कुमार पंवार
सचिव
बिहार विधान परिषद्

पटना
दिनांक : 12 मार्च, 2018